नामांक Roll No.

No. of Questions — 13

S—01—Hindi

No. of Printed Pages — 11

माध्यमिक परीक्षा, 2013
SECONDARY EXAMINATION, 2013

हिन्दी

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भारतवर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा रही है । यहाँ सभी ऋतुएँ अपने समय पर आती हैं और पर्याप्त काल तक ठहरती हैं । ऋतुएँ अपने अनुकूल फल-फूलों का सृजन करती हैं । धूप और वर्षा के समान अधिकार के कारण यह भूमि शस्यश्यामला हो जाती है । यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा है और यहाँ की नदियाँ मोक्षदायिनी समझी जाती रही हैं । यहाँ कृत्रिम धूप और रोशनी की आवश्यकता नहीं पड़ती । भारतीय मनीषी जंगल में रहना पसन्द करते थे । प्रकृति-प्रेम के ही कारण यहाँ के लोग पत्तों में खाना पसन्द करते हैं । वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं । सूर्य और चन्द्र दर्शन नित्य और नैमित्तिक कार्यों में शुभ माना जाता है ।

पारिवारिकता पर हमारी संस्कृति में विशेष बल दिया गया है । भारतीय संस्कृति में शोक की अपेक्षा आनन्द को अधिक महत्व दिया गया है । इसलिए हमारे यहाँ शोकान्त नाटकों का निषेध है । अतिथि को भी देवता माना गया है — 'अतिथि देवो भव:' ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

(ख) भारतवर्ष की भूमि शस्यश्यामला कैसे है ? 2

(ग) भारतीय प्रकृति-प्रेम किस प्रकार प्रकट करते हैं ? 2

(घ) भारत में आतिथ्य एवं अतिथि का क्या स्थान है ? 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

सबसे विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा,
तैंतीस कोटि-हित सिंहासन तैयार करो;
अभिषेक आज राजा का नहीं, प्रजा का है,
तैंतीस कोटि जनता के सिर पर मुकुट धरो ।

आरती लिए तू किसे ढूँढ़ता है मूरख
मंदिरों, राजप्रासादों में, तहखानों में ?
देवता कहीं सड़कों पर मिट्टी तोड़ रहे;
देवता मिलेंगे खेतों में, खलिहानों में ।

फावड़े और हल राजदण्ड बनने को हैं,
धूसरता सोने से शृंगार सजाती है;
दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो,
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है ।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ख) 'तैंतीस कोटि-हित' से क्या तात्पर्य है ? 2

(ग) देवता के यहाँ पर मिलने की क्या संभावना व्यक्त की गई है ? 2

(घ) कवि सिंहासन किसके लिए व क्यों खाली कराना चाहता है ? 2

अथवा

शब्दों की दुनिया में मैंने

हिन्दी के बल अलख जगाये ।

जैसे दीप-शिखा के बिरवे

कोई ठण्डी रात बिताये ॥

जो कुछ हूँ हिन्दी से हूँ मैं

जो हो लूँ हिन्दी से हो लूँ ।

हिन्दी सहज क्रान्ति की भाषा

यह विप्लव की अकथ कहानी ।

मैकॉले पर भारतेन्दु की

अमर विजय की अमिट निशानी ॥

शेष गुलामी के दागों को

जब धोलूँ हिन्दी में धोलूँ ॥

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ख) कवि ने हिन्दी के बल पर अलख किस प्रकार जगाई है ? 2

(ग) हिन्दी को क्रान्ति की भाषा क्यों कहा गया है ? 2

(घ) कवि किस बचे हुए कार्य को करना चाहता है ? 2

खण्ड - ख

3. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) राष्ट्रीय एकता की सुरक्षा : हमारा कर्तव्य

(i) राष्ट्रीय एकता का अभिप्राय

(ii) राष्ट्रीय एकता-अखण्डता की आवश्यकता

(iii) राष्ट्रीय एकता-अखण्डता की सांस्कृतिक विरासत

(iv) राष्ट्रीय एकता का वर्तमान स्वरूप

(v) राष्ट्रीय एकता और हमारा कर्तव्य

(vi) उपसंहार ।

(ख) युवा वर्ग में असन्तोष : कारण और निराकरण

(i) युवा वर्ग से आशय

(ii) युवावस्था — मानव जीवन का श्रेष्ठ समय

(iii) युवा शक्ति का महत्व

(iv) युवा वर्ग में बढ़ते असन्तोष के कारण

(v) युवा असंतोष को दूर करने के उपाय

(vi) उपसंहार ।

(ग) आदर्श विद्यार्थी जीवन

(i) विद्यार्थी जीवन का आशय

(ii) विद्यार्थी जीवन का आदर्श

(iii) विद्यार्थी जीवन के विशेष गुण

(iv) विद्यार्थी जीवन के उद्देश्य

(v) विद्यार्थियों से समाज व राष्ट्र को अपेक्षाएँ

(vi) उपसंहार ।

(घ) बढ़ती महँगाई – एक ज्वलन्त समस्या

(i) महँगाई से आशय

(ii) स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद की स्थिति

(iii) मूल्य वृद्धि में तेजी

(iv) महँगाई के विविध कारण

(v) महँगाई पर नियंत्रण के उपाय

(vi) उपसंहार ।

4. स्वयं को जूनागढ़ का निवासी जितेन्द्र मानते हुए अहमदाबाद में रह रहे अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए जिसमें हाथ–धुलाई कार्यक्रम एवं पेट में कीड़ों की बीमारियों से बचने हेतु गोली खिलाने के कार्यक्रम द्वारा बालकों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के प्रयासों का उल्लेख हो । 5

अथवा

स्वयं को रजनीश निवासी रतलाम मानकर अपने क्षेत्र के विद्युत अभियन्ता को बोर्ड परीक्षा तैयारी के कारण विद्युत पूर्ति नियमित एवं पर्याप्त रूप से कराने हेतु अनुरोध पत्र लिखिए ।

5. (क) 'विष्णुकान्ता भजन सुना रही है ।' — वाक्य में कौन-सी क्रिया है ? उसकी परिभाषा लिखिए । 2

(ख) मोहन कहता है कि मैं श्याम की पुस्तकें पढ़ूँगा ।

रेखांकित पदों के पद–परिचय के दो–दो बिन्दु लिखिए । 2

(ग) संयुक्त वाक्य की परिभाषा लिखिए । 2

(घ) (i) 'मन में चकरी होना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । 1

(ii) 'सूर समर करनी करहि कहि न जनावहि आपु' लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 1

(ङ) 'गुर चाँटी ज्यौं पागी' में कौन–सा अलंकार है ? प्रयुक्त अलंकार की परिभाषा लिखिए । 2

खण्ड - ग

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बादल, गरजो !
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छबि उर में कवि, नवजीवन वाले ।
वज्र छिपा नूतन कविता
फिर भर दो —
बादल गरजो !

(क) कवि का बादलों के प्रति क्या दृष्टिकोण है ? 2

(ख) बादल किसका प्रतीक है और क्यों ? 2

अथवा

कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लय बद्ध पंक्तियों की ।

(क) माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी ? (उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) कवि ने लड़की को धुँधले प्रकाश की पाठिका क्यों कहा है ? (उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) ''मन की मन ही माँझ रही'' — गोपियों की मन की इच्छा उनके मन में ही क्यों रह गई ? 2

(ख) लक्ष्मण को परशुराम को मारने पर पाप और अपयश की संभावना क्यों थी ? 2

(ग) श्रीकृष्ण को जग मन्दिर का दीपक क्यों कहा गया है ? 2

(घ) स्मृति को पाथेय बनाने से कवि का क्या आशय है ? 2

8. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे, मेरी भोली आत्म-कथा
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा ।

(क) पद्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन-सी है ? 1

(ख) पद्यांश में प्रयुक्त शैली का नाम लिखिए । 1

(ग) 'बड़ी कथाएँ' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ? 1

(घ) 'थकी सोई है मेरी मौन व्यथा' में कौन-सा अलंकार है ? 1

(ङ) 'छोटे से जीवन' का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 1

अथवा

धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य !
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य !
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा सम्पर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान !

(क) पद्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन-सी है ? 1

(ख) बच्चे की दंतुरित मुसकान कवि को कब अच्छी लगती है ? 1

(ग) 'मधुपर्क' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है ? 1

(घ) धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य !
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य !
इसमें कौन-सा अलंकार है ? 1

(ङ) 'छविमान' शब्द का तत्सम रूप लिखिए । 1

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

प्रभात-फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और दमखम और जोश-खरोश के साथ इन सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद । मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था । स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में ।

पिताजी की आजादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ-बैठूँ, जानूँ-समझूँ । हाथ उठा-उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आजादी के दायरे में चलना मेरे लिए ।

(क) "एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में" कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) लेखिका के लिए क्या मुश्किल हो रहा था ? और क्यों ? 2

अथवा

अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे । हाँ पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा को शुक्रतारा और बढ़ा रहा था । खेत, बगीचा, घर — सब पर कुहासा छा रहा था । सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत मालूम पड़ता था ।

उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे । उनके मूँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं । गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरुर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे । कमली तो बार-बार सिर से नीचे सरक जाती । मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था, किंतु तारे की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रम बिंदु, जब तब चमक ही पड़ते ।

(क) वातावरण को रहस्यमय क्यों कहा गया है ? 2

(ख) बालगोबिन के गाते-गाते क्या दशा हो जाती थी ? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है ? 2

(ख) उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की काशी को क्या देन है ? 2

(ग) ''प्राचीन काल में भारत में नारी शिक्षा का प्रचलन था'' इस सम्बन्ध में लेखक द्वारा दिए गए दो प्रमाणों को लिखिए । 2

(घ) ''फादर के मुख से निकले शब्द जादू का काम करते थे'' कैसे ? 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) मूर्ति बनाने का काम मिलने पर कलाकार के क्या भाव रहे होंगे ?

(उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) कबीर पंथ मानव को किस प्रकार जीने की प्रेरणा देता है ? 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा 60 शब्द) 3

खण्ड - घ

12. ''बच्चे बचपन में निर्दोष, निर्भय और मस्त होते हैं, उन्हें परिणाम की चिन्ता नहीं होती है ।'' 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

अथवा

''मेरे लिए यह यात्रा सचमुच ही खोज यात्रा थी''

लेखिका के इस कथन को 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) गोरे सैनिकों ने टुन्नू को अस्पताल जाने की बात क्यों कहीं ? 2

(ख) ''कितनी अद्‌भुत व्यवस्था है जल संचय की'' — मणि ने प्रकृति की जल व्यवस्था के सम्बन्ध में यह क्यों कहा है ? 2

(ग) ''हथियार बन्द पहरेदार अपनी जगह तैनात रहे और लाट की नाक चली गई ।'' लेखक का यह कथन सरकारी तंत्र की किस कमजोरी पर व्यंग्य करता है ? 2

(घ) 'माता का अँचल' पाठ से बाल स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है ? 2